

नाचू रे में तो ओड चुनरियाँ

जमके ढोल बजा मेरे ढोली नच नच के मेरे साथ,
बड़े नसीबो से आई आज ये जगराते की रात,
नाचू रे में तो ओड चुनरियाँ तभी तो माँ की पड़ गी नजरियाँ,

तन झूमे मन लिए हिचकोले जिया मेरा ढोले,
नाचन दे जी भर के आज ये दिल दीवाना बोले,
किस्मत से मेरी आज हुई है मैया से मुलाकात,
नाचू रे में तो ओड चुनरियाँ तभी तो माँ की पड़ गी नजरियाँ,

रोज रोज आये ना ऐसी रात मुरादों वाली,
ये तो भरोसा है मेरी मैया भरेगी झोली खाली,
सुनती सदा माँ शेरुवाली सब के मन की बात,
नाचू रे में तो ओड चुनरियाँ तभी तो माँ की पड़ गी नजरियाँ,

कैसे मनेगी मैया मेरी ये तो मैं न जानू,
टूट जाए चाहे सांसो के घुंघरू माँ को मना के मानु,
कब तक नहीं धरो गी मैया मेरे सिर पे हाथ,
नाचू रे में तो ओड चुनरियाँ तभी तो माँ की पड़ गी नजरियाँ,

बड़े बड़े राजे माहराजे नाचे माँ के आगे
जो न नाचे माँ के जागे में उसका नसीबा जागे,
करती माँ उसके जीवन में खुशियों की बरसात,
नाचू रे में तो ओड चुनरियाँ तभी तो माँ की पड़ गी नजरियाँ,

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16499/title/naachu-re-mian-to-odh-chunariya>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |